12 जगतपुर गाँव के बच्चे

यह जगतपुर गाँव है। गाँव में जगह–जगह कीचड़ और गंदगी थी। बच्चे खेलना चाहते थे, पर कहाँ खेलते ? कोई स्थान नहीं था। स्कूल जाने का रास्ता भी कीचड़ से भरा था।

एक दिन बच्चे मैदान में इकट्ठा हुए। उन्होंने सोचा, यह गंदगी दूर हो जाए तो कितना अच्छा हो।

"मैं परी से कहूँगा कि रात में आकर जादू की छड़ी से हमारे गाँव को साफ–सुथरा और सुंदर बना दे" लोकेश ने कहा।

यह सुनकर सब बच्चे हँस पड़े।

सरिता बोली, "कहीं परियाँ भी गाँव की सफाई करती हैं ? हमें ही कुछ करना होगा।"

सबने मिलकर योजना बनाई। दूसरे दिन प्रातः काल बच्चों ने गाँव में प्रभात फेरी निकाली।

उनके हाथों में तख्तियाँ और कुदालें थीं। उन्होंने नारे लगाए –

हमारा गाँव कैसा हो।
साफ–सुथरा सुंदर हो।।
हरा–भरा विद्यालय हो।
घर–घर में शौचालय हो।।
नालियों को साफ रखो।
रास्तों को साफ रखो।

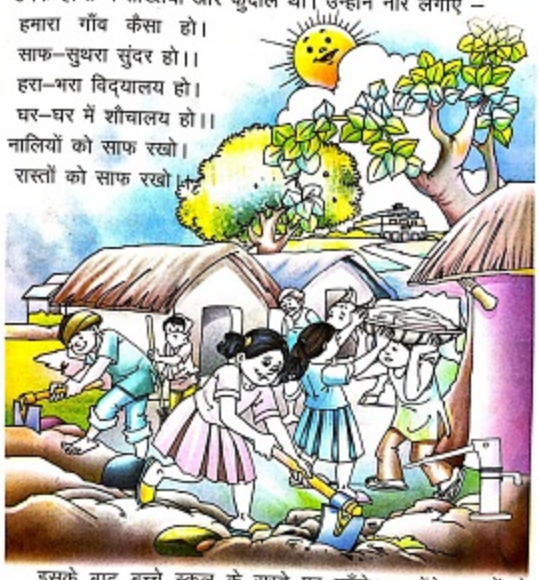

इसके बाद बच्चे स्कूल के रास्ते पर पहुँचे। उन्होंने फावड़ों से कीचड़ हटाना शुरू किया। छोटी–छोटी कुदालों से नाली बना दी। रुका हुआ पानी नाली में चला गया।

तब तक ग्राम प्रधान तथा गाँव के बहुत से लोग आ गए। बच्चों का काम देखकर वे भी सफाई में लग गए।

सबने खेल के मैदान को भी साफ–सुथरा कर दिया। गड्ढों में मिट्टी भरकर उन्हें पाट दिया।

ग्राम प्रधान जी ने कहा, "बच्चो ! तुमने बहुत अच्छा काम किया है। हम सब मिलकर गाँव को स्वच्छ और सुंदर बनाएँगे। पेड़–पौधे भी लगाएँगे। तुम सब मन लगाकर पढ़ना और खेलना।"

अभ्यास

1. **उत्तर लिखो –**
   (क) जगतपुर गाँव के बच्चे क्यों दुखी थे ?
   (ख) बच्चों ने क्या योजना बनाई ?
   (ग) बच्चों ने कौन–कौन से नारे लगाए ?
   (घ) तुम्हारे गाँव में ऐसी परेशानी आए तो क्या करोगे ?
2. **बताओ–**
   अपने स्कूल को साफ–सुथरा और सुंदर बनाने के लिए तुम और तुम्हारे साथी क्या–क्या कर सकते हैं?
3. **करो–** अपने आस–पास गौर से देखो। पता करो कि कहाँ सफाई की जरूरत है। साथियों के साथ योजना बनाकर उस जगह को साफ–सुथरा बनाओ।